

भाग-III : कुछ सामान्य मानवजनित आपदाएं

अध्याय-5 : सामान्य मानवजनित आपदाओं की रोकथाम

पिछले अध्यायों में हमने कुछ संकटों के कारणों और प्रभावों तथा साथ ही प्रत्येक संकट के दुष्प्रभाव को कम करने वाली सामान्य कार्यनीतियों के बारे में चर्चा की है आग, यातायात दुर्घटनाएं और आतंकवादियों के हमले भी हमारी व्यापक चिंता के कारण हैं। इस अध्याय में हम इन सामान्य आपदाओं और इनके संबंध में जो संभावित सुरक्षोपाय किए जा सकते हैं - उनके बारे में जानने का प्रयास करेंगे।

आग

आग बहुत खतरनाक होती है। आग जलाती है और यह प्रायः इतनी विनाशकारी होती है कि इसके कारण जान और माल की हानि होती है। ऐसा देखने में आया है कि चक्रवातों, भूकम्पों, बाढ़ तथा सभी अन्य प्राकृतिक आपदाओं में मिलकर जितने लोगों की मृत्यु होती है, उससे कहीं अधिक आग में जलकर प्राण दे देते हैं।

आग लगने के कई कारण होते हैं :-

1. **गरम करने वाले उपकरण** अक्सर आग लगने का कारण होते हैं।
कमरे को गरम करने वाले ही रों, बिजली के हीटरों और चूल्हों का प्रयोग सावधानी के साथ किया जाना चाहिए।
2. घरों में लगने वाली आग का प्रमुख कारण **खाना पकाते समय होने वाली दुर्घटनाएं** हैं और ये हमारे लिए बड़ी चिन्ता का कारण हैं। खाना बनाते समय किसी व्यक्ति के मौजूद न होने अथवा स्नैच या खाना पकाने वाले किसी अन्य उपकरण की मशीनी खराबी के कारण आग लगने की दुर्घटनाएं होती हैं।
3. **बजली की वायरिंग** भी तब आग का कारण बन सकती है जब वह सप्लाई किए जा रहे विद्युत भार को वहन करने में सक्षम नहीं होती। विद्युत उपकरणों का आवश्यकता से अधिक गरम हो जाने, कमज़ोर वायरिंग-कनेक्शन, अनधिकृत उपकरणों का प्रयोग, मल्टी प्लाइंट एडेप्टरों के प्रयोग से आग लग सकती है।
4. **कूड़ाकरक** और **बेकार वस्तुएं** जिन्हें इकट्ठा



घर में आग की रोकथाम के लिए सुरक्षोपाय

यहां आग से बचाव के कुछ बुनियादी युक्तियां दी गई हैं लेकिन यदि आप उनका पालन करें तो आप अपने घर को और अपने आपको बचा सकेंगे।

- ◆ आग से बचाव के बुनियादी नियम और बाहर जाने का रास्ता सदैव ध्यान में रखें;
- ◆ घर के भीतर अत्यधिक ज्वलनशील तरल पदार्थ न रखें;
- ◆ घर में एक अग्निशामक यंत्र रखें और इसे इस्तेमाल करना सीखें। घर में हर व्यक्ति को इसके इस्तेमाल का तरीका सिखा दें;
- ◆ जब घर से बाहर जाएं तो बिजली और गैस के सभी उपकरण बन्द करके जाएं;
- ◆ एक ही सेट में बहुत सारे उपकरण न लगाएं;
- ◆ मानिस को बच्चों के हाथ न लगाने दें और घर के भीतर किसी को भी बांड़ा-सिगरेट न पाने दें;
- ◆ अलमारी अथवा अन्य फर्नीचर लगाकर प्रवेश मार्ग को बन्द न करें;
- ◆ आग लगने का कारण जानने और आवश्यक कार्रवाई करने का प्रयास करें। बिजली की खराबी के कारण उत्पन्न हुई आग को बुझाने के लिए पानी का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

होने दिया जाता है आग को आसानी से फैलाती हैं; ये ऐसे स्थान भी हैं जहां दुर्भावना से आग शुरू हो सकती है सुनिश्चित करें कि आप अपने कार्यस्थल से बेकार सामग्री नियमित रूप से हाते रहें और उसे भवन के परिसर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रखे हुए पात्र में डालते रहें 'कूड़ाकरक' को अलाव में भी न जलाएं भले ही ऐसा करना सुरक्षित समझा जाए इन्हें जलाने से स्थिति आसानी से काबू से बाहर हो सकती है और आग पड़ौस की इमारतों अथवा ढांचों तक फैल सकती है

- ◆ क्योंकि पानी डालने से करंट लग सकता है ;
- ◆ आग लगने पर दमकल विभाग को बुलाएं, उन्हें अपना पता तथा आग की प्रकृति और स्थान की सूचना दें;
- ◆ जिस गलियारे में धुआ हो वहां हाथों-पैरों या पेट के बल रेंगने का प्रयास करें क्योंकि फर्श पर धुआ कम होता है;
- ◆ अपने घर से बाहर निकलने के कम से कम दो रास्ते तय करें और वर्ष में कम से कम दो बार घर से बाहर निकलने की अपनी योजना का अध्यास करें ।
- ◆ आग लगने पर दमकल विभाग को बुलाएं, उन्हें अपना पता तथा आग की प्रकृति और स्थान की सूचना दें;
- ◆ जिस गलियारे में धुआ हो वहां हाथों-पैरों या पेट के बल रेंगने का प्रयास करें क्योंकि फर्श पर धुआ कम होता है;
- ◆ अपने घर से बाहर निकलने के कम से कम दो रास्ते तय करें और वर्ष में कम से कम दो बार घर से बाहर निकलने की अपनी योजना का अध्यास करें

5. कार्यस्थल पर इकट्ठा की गई पैकिंग सामग्री, सरेस, तरल पदार्थ अथवा गैस जैसी ज्वलनशील सामग्री बहुत खतरनाक हो सकती है बेहतर होगा कि यदि ऐसी सामग्री का भण्डार आवश्यकता के अनुसार और परिसर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रखा जाए
6. पेन्टों, तरल पदार्थों, आसंजकों, रसायनों अथवा गैस सिलेण्डरों जैसी जोखिमपूर्ण सामग्री अलग भण्डार क्षेत्रों में और साथ ही चिनारी के स्रोतों से बहुत दूरी पर रखी जानी चाहिए
7. **आगजनी और जानबूझकर** आग लगाना भी एक कारण हो सकता है
8. **बोडीसिगरेट पीना** भी आग लगने का एक बड़ा कारण है
9. (अन्य कारणों की सूची तैयार करें)

वेब स्रोत :

www.redcross.org; www.ifeindia.org; www.fire-wind.net; www.usfa.fema.gov

छात्रों : और अधिक जानकारी प्राप्त करें

- ❖ दिल्ली में उपहार सिनेमा थियेटर में 59 लोगों की जानें गई थीं । जनवरी, 2004 में ऐसी ही एक विनाशकारी अग्नि दुर्घटना में त्रिची के निकट श्रीरंगम नामक मैरिज हाल में कम से कम 56 लोगों की मृत्यु हुई थी । इन घटनाओं के बारे में और अधिक तथ्य जानने का प्रयास करें और इस बात पर चर्चा करें कि ऐसी दुर्घटनाओं से किस प्रकार बचा जा सकता है ।

सड़क, रेल और यातायात दुर्घटनाएं



सुरक्षापाय

- ◆ वाहन तभी चलाएं जब आप उसके लिए पर्याप्त सक्षम हों;
- ◆ अपनी सुरक्षा के लिए सड़क पर सुरक्षित रहने का सबसे बढ़िया तरीका अपनी लेन में चलने के नियम का पालन करना है;
- ◆ सड़क चिन्हों की जानकारी रखें ;
- ◆ सड़क पर यातायात सकेतों की जानकारी रखें और उनका पालन करें;
- ◆ बारिश के मौसम में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें;
- ◆ वाहन चलाते समय गति को अचानक तेज या कम न करें;
- ◆ अपने वाहन विनिर्माता द्वारा बताई गई गति पर वाहन चलाएं;
- ◆ सड़क पार करते समय सड़क के दोनों तरफ देखें ;

सड़क व्यवस्था बेहतर संपर्क और सेवा के लिए बनाई जाती है लेकिन इसके साथ ही सड़क दुघटनाओं की संख्या बढ़ती जा रही है प्रमुख कारण इस प्रकार है : यातायात नियमों का उल्लंघन, तेज गति से गाड़ी चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना और वाहनों तथा सड़कों के रखरखाव में कमी

- ◆ गाड़ी बहुत तेज न चलाएं और अपने से अगली गाड़ी से आगे निकलने का अनावश्यक प्रयास न करें ;
- ◆ आमने-सामने की टक्कर से बचने के लिए हर संभव प्रयास करें ;
- ◆ यात्रियों को अपनी बाजुओं से सिर की रक्षा करनी चाहिए और किनारे की तरफ रहना चाहिए :
- ◆ कोई दुर्घटना होने की स्थिति में शांत रहें और सर्वोत्तम प्रयास करें ;
- ◆ वाहन को तब तक नियंत्रण में रखें जब तक वह एकदम रुक नहीं जाता;
- ◆ यदि वाहन पानी में डूब जाता है तो खुली खिड़की से निकल कर बाहर आ जाएं;
- ◆ आग में फँसने पर जितनी जल्दी संभव हो वाहन से बाहर निकल आएं और सामान की चिन्ता न करें । आपका जीवन बहुमूल्य है ।



सुरक्षोपाय

- ◆ वाहन तभी चलाएं जब आप उसके लिए पर्याप्त सक्षम हों;
- ◆ अपनी सुरक्षा के लिए सड़क पर सुरक्षित रहने का सबसे बढ़िया तरीका अपनी लेन में चलने के नियम का पालन करना है;
- ◆ सड़क चिन्हों की जानकारी रखें ;
- ◆ सड़क पर यातायात सकेतों की जानकारी रखें और उनका पालन करें;
- ◆ बारिश के मौसम में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें;
- ◆ वाहन चलाते समय गति को अचानक तेज या कम न करें;
- ◆ अपने वाहन विनिर्माता द्वारा बताई गई गति पर वाहन चलाएं;
- ◆ सड़क पार करते समय सड़क के दोनों तरफ देखें ; गाड़ी बहुत तेज न चलाएं

हवाई जहाज में यात्री की सुरक्षा अनेक कारकों पर निर्भर करती है ये कारक हैं : तकनीकी समस्याएं, आग, जहाज के जमीन पर उतरने और उड़ान भरने की स्थितियां, पर्यावरण जिसमें हवाई हजाज उड़ रहा है (पहाड़ी प्रदेश अथवा बारबार आने वाले तूफान), हाईजैकिंग, बम से आक्रमण के प्रयास आदि के मामलों में हवाई अड्डे की सुरक्षा जैसे कारक ।

- और अपने से अगली गाड़ी से आगे निकलने का अनावश्यक प्रयास न करें ;
- ◆ आमने-सामने की टक्कर से बचने के लिए हर संभव प्रयास करें ;
- ◆ यात्रियों को अपनी बाजुओं से सिर की रक्षा करनी चाहिए और किनारे की तरफ रहना चाहिए :
- ◆ कोई दुर्घटना होने की स्थिति में शांत रहें और सर्वोत्तम प्रयास करें ;
- ◆ वाहन को तब तक नियंत्रण में रखें जब तक वह एकदम रुक नहीं जाता;
- ◆ यदि वाहन पानी में डूब जाता है तो खुली खिड़की से निकल कर बाहर आ जाएं;
- ◆ आग में फँसने पर जितनी जल्दी संभव हो वाहन से बाहर निकल आएं और सामान की चिन्ता न करें । आपका जीवन बहुमूल्य है ।



रेल की सबसे आम दुर्घटनाएं तब होती हैं जबकि रखरखाव की कमी, मानवीय त्रुटि अथवा तोड़-फोड़ की कार्रवाई के कारण रेलगाड़ी पटरी पर से उतर जाती है रेलों द्वारा कई तरह के खतरनाक माल जैसेकि ईंधन तेल उत्पादों की भी ढुलाई होती है चित्र में 21 दिसम्बर, 2002 को बंगलौर एक्सप्रेस के पटरी पर से उतरे डिब्बे हैदराबाद के दक्षिण में 250 किलोमी'र की दूरी पर पेंडकल स्टेशन के निकट रेल पटरियों पर पड़े हुए हैं इस रेल दुर्घटना में 20 यात्रियों की जानें गई थीं तथा 80 यात्री घायल हुए थे जिनमें से 24 गंभीर रूप से घायल हुए थे।

सुरक्षापाय

- ◆ रेलवे क्राइसिंग पर सिगनल और स्लिंग बैरिंग का ध्यान रखें उसके नीचे से निकलकर क्राइसिंग को पार करने की कोशिश न करें;
- ◆ यदि क्राइसिंग पर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं है तो पटरी पार करने से पूर्व वाहन से उतर कर पटरी के दोनों तरफ दृष्टि डालें;
- ◆ रेलगाड़ी को किसी पुल या सुरंग में खड़ा न करें जहाँ यात्रियों के लिए गाड़ी से निकलना संभव न हो;
- ◆ जलनशील सामग्री लेकर न चलें;
- ◆ रेलगाड़ी में सफर करते समय दरवाजे पर न खड़े हों और न बाहर की तरफ झुकें;
- ◆ रेलगाड़ी में बीड़ी सिगरेट न पिएं;
- ◆ आपत्कालीन चेन को बिना जरूरत के न खींचें

क्या भारत की सड़कें सुरक्षित हैं ?

भारत में दुर्घटना की दर विश्व में सबसे अधिक है प्रतिवर्ष 3,00,000 से अधिक दुर्घटनाओं की सूचना मिलती है दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की संख्या भी बहुत अधिक अर्थात् 60,000 है दुर्घटनाओं के संबंध में किए गए अध्ययन से यह पता चलता है कि अधिकांश दुर्घटनाओं के लिए मानवीय तत्व जिम्मेदार होते हैं

भारत में 70% सड़क दुर्घटनाओं के लिए वाहन चलाने वाले जिम्मेदार होते हैं सड़क दुर्घटनाओं में 4.1% दुर्घटनाएं पैदल चलने वालों के कारण जबकि लगभग 80.% दुर्घटनाएं वाहन चलाने की गलत आदतों और मानवीय गलती के कारण होती हैं नीचे कुछ यह करें तथा यह न करें दिए गए हैं जिनका पालन करने से सड़क पर आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी

यह करें

- ◆ एक लाइसेंस युक्त चालक बनें और जब भी आप वाहन चला रहे हों लाइसेंस अपने पास रखें।
- ◆ टायरों की हवा, रेडियटर का पानी, ब्रेक आयल और ईंधन की स्थिति की जांच प्रतिदिन करें।
- ◆ पुराने टायर बदल दें; कम से कम 10% दुर्घटनाएं खराब टायरों के कारण होती हैं।
- ◆ दोषपूर्ण हेडलाइट और टेललाइट्स बदल दें।
- ◆ सड़क यातायात संकेतों का ध्यान रखें।
- ◆ अपनी लेन में रहें।
- ◆ जब भी सामने से आता हुआ वाहन देखें डिपर दें। यदि आप डिपर नहीं देंगे तो सामने से आने वाले वाहन चालक की आंखें चुंधिया जाएंगी जिस कारण दुर्घटना हो सकती है।

- ◆ दुपहिया चलाते समय चालक और पीछे बैठने वाले की सुरक्षा के लिए हेलमेटों का प्रयोग करें ।
- ◆ अपनी कार में उपलब्ध सीट बेल्ट का प्रयोग करें ।
- ◆ रखरखाव की जो समय-सूची वाहन के निर्माता ने दी है, उसका पालन करें ।
- ◆ चालक की सीट पर बैठने से पूर्व व्यग्रता, क्रोध और नशे पर काबू रखें ताकि आपका और दूसरों का जीवन भी सुरक्षित रह सके ।
- ◆ सड़क पार करते समय जेबरा क्रासिंग का प्रयोग करें ।

यह न करें

- ◆ एक लेन से दूसरी लेन में न जाएं । सड़क पर जो दूसरे वाहन चल रहे हैं उनके लिए यह पूर्वानुमान लगाना मुश्किल हो जाता है कि आप कौनसी लेन में जाएंगे ।
- ◆ भीड़-भाड़ वाले इलाकों में यातायात के भीतर दाएं-बाएं अथवा बाहर न चलें ।
- ◆ वाहन की गति अचानक तेज या कम न करें ।
- ◆ अपने आगे वाले वाहन से समुचित दूरी बनाए रखें ।
- ◆ तेज आवाज वाले हार्न का प्रयोग न करें । इससे अन्य वाहन चलाने वालों का ध्यान भंग हो सकता है । हार्न का प्रयोग केवल जरूरत होने पर करें ।
- ◆ विंडस्क्रीनों तथा खिड़कियों पर पर्दे, गहरे रंगीन शीशों का प्रयोग न करें क्योंकि उनके प्रयोग से दृष्टिसीमा बाधित होती है ।
- ◆ आपके वाहन के लिए निर्धारित की गई गति सीमा का उल्लंघन न करें ।

नियमों और विनियमों की जानकारी रखना तथा उनका पालन करने से वाहन प्रयोक्ता और पैदल चलने वाले-दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी । सड़क प्रयोक्ताओं को नियम पालन करवाने वाले अधिकारियों के साथ सहयोग अवश्य करना चाहिए ताकि वे सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने लक्ष्य की पूर्ति करने में यातायात नियमों और विनियमों को लागू करने में सफलता प्राप्त कर सकें ।

सड़क पर हमारे व्यवहार का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सड़क के अन्य प्रयोक्ताओं का ध्यान रखा जाए । "दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसाकि आप दूसरों से अपेक्षा करते हैं" -इस सिद्धान्त का पालन करने से सड़क पर केवल आपकी ही नहीं दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी ।

स्रोत : सोसायटी फार इंडिया आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सुरक्षा वाहन चालन और रखरखाव की युक्तियों के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के बारे में और अधिक जानकारी के लिए देखें ब्रेवसाइट www.siamindia.com.)

वेब स्रोत

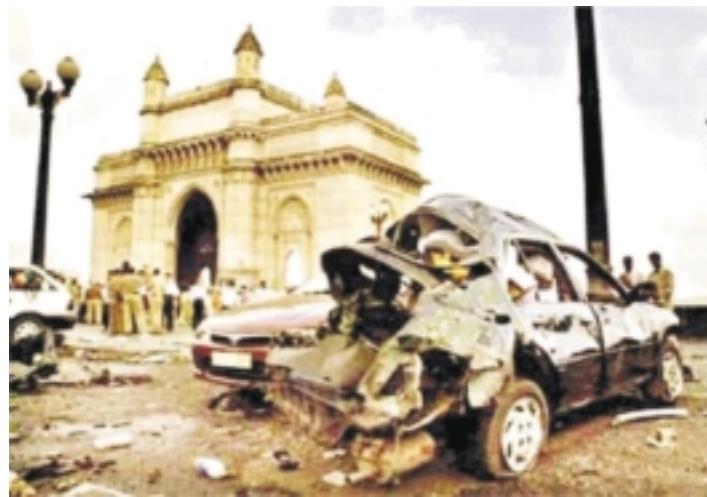
www.redcross.org; www.siamindia.com; www.aboutairline.com;

आतंकवादियों के हमले

आपदाओं में सर्वाधिक परेशान कर देने वाली आपदाएं हैं - आत्मघाती हमले, नरसंहार, बम्बारी आदि के जरिए लोगों की सामूहिक हत्या करने का सोचा-समझा घिनौना प्रयास । 11 सितम्बर, 2001 को न्यूयार्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर तथा वाशिंगटन में पेंटागन पर हुए आतंकवादी हमले इस तरह के ताजा उदाहरण हैं जिनमें हजारों व्यक्तियों की जानें चली गई थीं । हमारे देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई आतंकवादियों द्वारा बार-बार किए गए हमलों की गवाह रही है और यह शहर सैडव 'रेड अलर्ट' , श्रेणी में रहा है । मुम्बई में एक के बाद एक हुए बम धमाकों की शुरूआत 1993 में हुई थी । इन बम धमाकों ने कई निर्देष व्यक्तियों की जान ले ली थी । विशेष रूप से इस शहर में बम धमाके अधिक संख्या में हुए हैं और इस समस्या की तरफ ध्यान देना जरूरी है । हाल के समय में इस शहर में हुई इस तरह की घटनाओं का तिथिवार विवरण मौजूद है । 25 अगस्त, 2003 को शहर में ज्ञावेरी बाजार तथा गेटवे आफ इंडिया के निकट भीड़भाड़ वाले दो स्थानों पर शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ जिसमें कम-से-कम 45 व्यक्तियों के प्राण गए और 150 से अधिक व्यक्ति घायल हुए थे । दिसम्बर, 2002 को मुम्बई में हुए बम विस्फोटों की शृंखला में यह छठा बम विस्फोट था ।



13 मार्च, 2003 को मुलुन्द रेलवे सेशन पर एक स्थानीय रेलगाड़ी के एक डिब्बे में सबसे भीड़-भाड़ वाले समय में एक शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ जिसमें 11 व्यक्तियों की जानें गई और 65 से अधिक व्यक्ति घायल हुए ।



बम्बई में सोमवार दिनांक 25 अगस्त, 2003 को गेटवे आफ इंडिया से तनिक आगे बम विस्फोट में क्षतिग्रस्त एक कार (गुद्धभूमि में दिखाई दे रही है) इस विस्फोट में कम से कम 40 व्यक्तियों की जानें गई और 150 व्यक्ति घायल हुए जिनमें से 40 गंभीर रूप से घायल हुए ।

अनेक मामलों में विस्फोटक सामग्री सड़कों, सार्वजनिक स्थानों और सरकारी परिवहन जैसे सर्वाधिक अप्रत्याशित स्थानों पर रखी जाती है । कार बमों के मामलों में वृद्धि हो रही है । बम आसानी से कार के भीतर रख दिया जाता हैं और वह सेट किए गए समय पर फट जाता है ।

बम का खतरा होने की स्थिति में :

- ◆ यदि आपकी नजर में कोई पैकेट आता है और आपको संदेह होता है तो सावधान हो जाएं और किसी भी चीज को हाथ न लगाएं ।
- ◆ सार्वजनिक क्षेत्रों में लावारिस पड़ी वस्तुओं जैसे सूटकेस, बक्से, पैकेट आदि से होशियार रहें ।
- ◆ संदिग्ध वस्तु के पास न तो स्वयं जाएं न दूसरों को जाने दें ।
- ◆ पुलिस को सूचित करें और पुलिस के आने पर उस स्थान से चले जाएं ।
- ◆ आतंक की स्थिति न पैदा होने दें ।